VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

स्मरणीय तथ्य

मूल्य, अवधारणाएं और भारतीय नैतिक विचारक

MAINS 365

नीतिशास्त्र

अहमदाबाद बेंगलूरु भोपाल चंडीगढ़ दिल्ली गुवाहाटी हैदराबाद जयपुर जोधपुर लखनऊ प्रयागराज पुणे राँची

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

OUR ACHIEVEMENTS

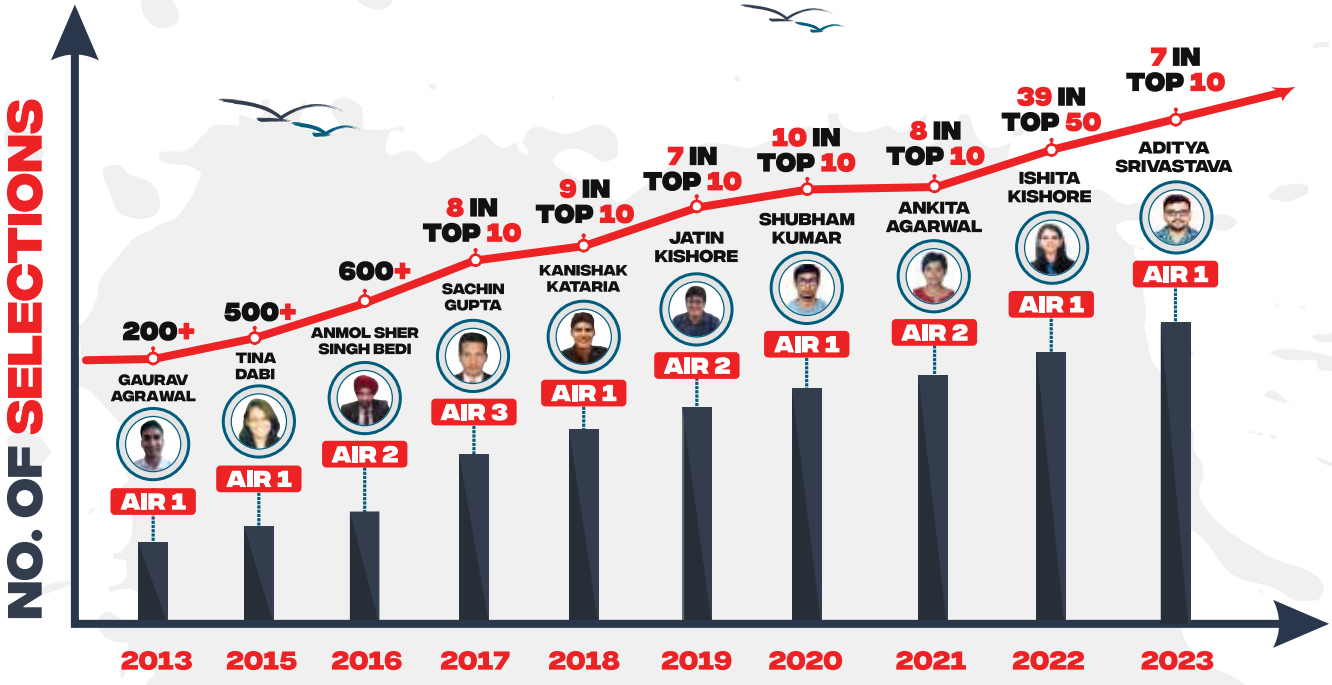

LIVE/ONLINE Classes Available

www.visionias.in

Foundation Course
GENERAL STUDIES
PRELIMS cum MAINS 2025

DELHI: 29 JULY, 1 PM | 30 JULY, 9 AM | 31 JULY, 5 PM

GTB Nagar Metro (Mukherjee Nagar):
19 JULY, 8:30 AM | 23 JULY, 5:30 PM

AHMEDABAD: 12 JULY | BENGALURU: 12 & 18 JULY | BHOPAL: 18 JULY | CHANDIGARH: 18 JULY

HYDERABAD: 24 JULY | JAIPUR: 30 JULY | JODHPUR: 11 JULY | LUCKNOW: 17 JULY | PUNE: 5 JULY

फाउंडेशन कोर्स सामान्य अध्ययन 2025

▸ प्रारंभिक, मुख्य परीक्षा और निबंध के लिए महत्वपूर्ण सभी टॉपिक का विस्तृत कवरेज

DELHI: 18 जुलाई, 1 PM | BHOPAL: 23 जुलाई | LUCKNOW: 18 जुलाई | JAIPUR: 25 जुलाई | JODHPUR: 11 जुलाई

Scan the QR CODE to download VISION IAS App. Join official telegram group for daily MCQs & other updates.

/visionias.upsc | /c/VisionIASdelhi | /c/VisionIASdelhi | /t.me/s/VisionIAS_UPSC

DELHI: HEAD OFFICE: 1st floor, Apsara Arcade, Near Gate-7 Karol Bagh Metro Station, 1/8 b, Pusa Road, Karol Bagh, Delhi – 110005 | CONTACT: 8468022022, 9019066066

AHMEDABAD | BENGALURU | BHOPAL | CHANDIGARH | GUWAHATI | HYDERABAD | JAIPUR | JODHPUR | LUCKNOW | PRAYAGRAJ | PUNE | RANCHI

VISION IAS

मूल्य, अवधारणाएं और भारतीय नैतिक विचारक
(Values Concepts and Indian Thinkers)

विषय-सूची

1. मूल्य (VALUES) 3
   1.1. ईमानदारी 3
   1.2. सत्यनिष्ठा 3
   1.3. प्रोबिटी (शुचिता) 4
   1.4. जवाबदेही 4
   1.5. समानुभूति 4
   1.6. सहिष्णुता 5
   1.7. निःस्वार्थता 5
   1.8. न्याय 5
   1.9. वस्तुनिष्ठता 6
   1.10. नेतृत्व (लीडरशिप) 6
   1.11. लोक सेवा के प्रति समर्पण 6
   1.12. निष्पक्षता और गैर-पक्षपात 6
2. अवधारणाएं (CONCEPTS) 8
   2.1. अभिवृत्ति 8
   2.2. सामाजिक प्रभाव और अनुनय 8
   2.3. भावनात्मक बुद्धिमत्ता 8
   2.4. सामाजिक बुद्धिमत्ता 9
3. भारतीय नैतिक विचारक (INDIAN THINKERS) 10

Copyright © by Vision IAS

All rights are reserved. No part of this document may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior permission of Vision IAS.

यहां स्कैन करें

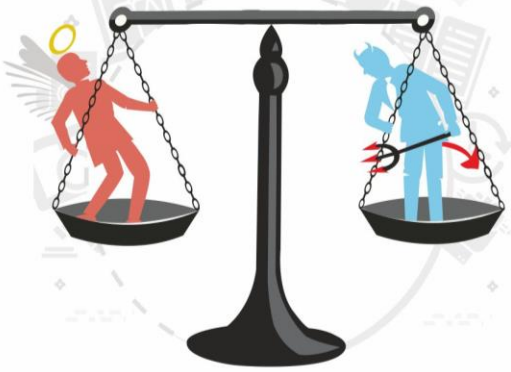

एथिक्स

क्रैश कोर्स 2024

(अवधारणात्मक समझ के साथ प्रभावी उत्तर लेखन और बेहतर विश्लेषणात्मक क्षमता के लिए एक मजबूत आधार तैयार कीजिए)

9 जुलाई,

1:00 PM

- क्लास में संरचित और इंटरैक्टिव अध्ययन
- संपूर्ण एथिक्स सिलेबस की SMART कवरेज
- स्टूडेंट पोर्टल पर लाइव और रिकॉर्डेड क्लासेज का एक्सेस
- डेली क्लास असाइनमेंट, मिनी टेस्ट और डिस्कसन
- अवधारणात्मक स्पष्टता के साथ व्यावहारिक अनुप्रयोग पर फोकस
- उत्तर लेखन अभ्यास के साथ प्रदर्शन मूल्यांकन और फीडबैक
- केस स्टडीज में विषयगत और समसामयिक नैतिक मुद्दे
- SMART और काम्प्रीहेन्सिव स्टडी मटेरियल (केवल सॉफ्ट कॉपी)
- वन टू वन मेंटरिंग सहयोग और मार्गदर्शन

प्रिय अभ्यर्थियों,

UPSC मुख्य परीक्षा के प्रतिस्पर्धी माहौल में आपके **उत्तरों में डेटा, तथ्यों और उदाहरणों को शामिल करने के महत्त्व को कम करके नहीं आंका** जा सकता है।

ये तत्व एक आकर्षक और प्रेरक अनुक्रिया के आधार के रूप में काम करते हैं, **जो आपके उत्तर को एक सामान्य लेखन से एक बेहतर तरीके से प्रमाणित तर्क की ओर ले जाते हैं।**

आपकी सहायता के लिए, हमने **VisionIAS मेन्स 365 पठन सामग्री से सार रूप में डेटा, तथ्यों और उदाहरणों का संकलन तैयार किया है।** जैसा कि आप सभी को पता है VisionIAS मेन्स 365 पठन सामग्री करंट अफेयर्स के व्यापक कवरेज के लिए प्रसिद्ध है। यह दस्तावेज़ उच्च-गुणवत्ता वाले डेटा, तथ्यों और उदाहरणों का एक केंद्रित स्रोत प्रदान करता है।

इस दस्तावेज़ का लेआउट आपके **उत्तर में क्विक रेफ्रेन्स और तथ्यों आदि के आसान समेकन के लिए डिज़ाइन** किया गया है।

इस सार रूपी जानकारी का लाभ उठाने से **आपको अधिक अंक प्राप्त करने के लिए जरूरी व्यापक, सूचनात्मक और आकर्षक उत्तर तैयार करने** में मदद मिलेगी।

मेन्स 365 डाक्यूमेंट्स को डाउनलोड करने के लिए दिए गए QR कोड को स्कैन कीजिए

स्मार्ट क्वालिटी कंटेंट को प्राप्त करने के लिए दिए गए QR कोड को स्कैन कीजिए

1. मूल्य (VALUES)

1.1. ईमानदारी

- **अर्थ:** ईमानदारी का अर्थ सत्य बोलने और उसी के अनुसार कार्य करने से है। ईमानदारी **झूठ नहीं बोलने, धोखा नहीं देने, चोरी या धोखाधड़ी नहीं करने से कहीं अधिक** है। इसमें **दूसरों के प्रति सम्मान प्रकट करना और आत्म-जागरूकता** शामिल है।
- **महत्त्व:** ईमानदारी **विश्वास की नींव** है और सामाजिक संबंधों में यह बहुत महत्वपूर्ण है।

नैतिकता के परंपरागत (क्लासिकल) फ्रेमवर्क में ईमानदारी:

- **अरस्तू द्वारा प्रतिपादित सद्गुण नीतिशास्त्र या सदाचार युक्त नैतिकता (Virtue ethics)** के अनुसार, ईमानदारी एक ऐसा सद्गुण है जो व्यक्ति में अन्य सद्गुणों का भी विकास करता है। इसके अनुसार, ईमानदारी से रहित होने के परिणामस्वरूप एक व्यक्ति अविश्वासी बन सकता है। वहीं दूसरी ओर, बहुत अधिक ईमानदारी के परिणामस्वरूप एक व्यक्ति लोगों की भावनाओं की कीमत पर अनावश्यक रूप से सत्य बातें सामने रखता है।
- **परिणामवाद सिद्धांत (Consequentialism theory)** हमें **व्यक्तिगत स्थितियों और परिणामों के आधार पर थोड़ी अधिक या थोड़ी कम ईमानदारी के साथ व्यवहार करने** की सलाह देता है, अन्यथा सत्य से बड़ा नुकसान पहुंच सकता है।
- दूसरी ओर, इमैनुएल कांट द्वारा प्रतिपादित **कर्तव्यशास्त्र (Deontology)** के अनुसार, ईमानदारी वस्तुतः **निरपेक्ष नैतिक दायित्व** है, भले ही उसकी कीमत कुछ भी हो।

जीवन में ईमानदारी से जुड़े उदाहरण

- **अनिल स्वरूप (सेवानिवृत्त IAS अधिकारी)** ने कोयला ब्लॉक आवंटन के लिए पारदर्शी ई-नीलामी प्रणाली लागू की।
- **सचिन तेंदुलकर:** 2011 के ICC विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच के दौरान, **सचिन तेंदुलकर** को ग्राउंड अंपायर ने कैच आउट के लिए नॉट आउट करार दिया था। विश्व कप में बहुत कुछ दांव पर लगे होने के बावजूद, तेंदुलकर स्वेच्छा से मैदान से बाहर चले गए, जिससे उन्हें आउट करार माना गया।

1.2. सत्यनिष्ठा

- **अर्थ: ईमानदार** होना तथा निरंतर और बिना किसी समझौते के अपने **मूल्यों** एवं **सिद्धांतों** का पालन करना ही सत्यनिष्ठा है।
- **सत्यनिष्ठा के लक्षण**
  - ईमानदारी/ सच्चाई
  - निष्पक्षता
  - शालीनता/ सम्मान
  - नैतिक सिद्धांतों का पालन करना
  - सहायक प्रवृत्ति
  - उत्तरदायित्व/ विश्वसनीयता

जीवन में सत्यनिष्ठा से जुड़े उदाहरण

- **शहीद हेमू कालाणी:** उन्होंने अंग्रेजों का विरोध किया और निडरता से यातनाएं झेलीं एवं किसी का नाम उजागर नहीं किया।
- **चौरी-चौरा घटना (1922) के बाद असहयोग आंदोलन को वापस लेना महात्मा गांधी की सत्यनिष्ठा और अहिंसा** के मूल्य के प्रति उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

1.3. प्रोबिटी (शुचिता)

- **अर्थ:** प्रोबिटी या शुचिता का आशय **मजबूत नैतिक सिद्धांतों, सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, शालीनता, चरित्र या व्यवहार में ईमानदारी** से है।
- **महत्त्व:** गवर्नेंस में शुचिता न केवल एक अनिवार्य घटक है, बल्कि **एक कुशल और प्रभावी शासन प्रणाली सुनिश्चित करने तथा सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए भी यह आवश्यक** है।

जीवन में शुचिता से जुड़े उदाहरण

- **जैसिंडा अर्डर्न** (न्यूजीलैंड की पूर्व प्रधान मंत्री) ने 2023 में यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया। देश की जरूरतों को प्राथमिकता देना शुचिता का उदाहरण है।
- **शानमुगम मंजूनाथ** (इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अधिकारी) ने कई फ्यूल स्टेशनों पर पेट्रोल में व्यापक मिलावट के खिलाफ लड़ाई लड़ी। ईमानदारी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और उनका साहस सच्चे अर्थों में शुचिता का उदाहरण है।

1.4. जवाबदेही

- **अर्थ:** जवाबदेही का आशय किसी संस्था/ तंत्र, उसके कार्य-कलापों और संभावित प्रभावों के लिए उत्तरदायी होने से है।
- **जवाबदेही के विभिन्न प्रकार:**
  - **लंबवत जवाबदेही (Vertical accountability):** इसका आशय **प्रिंसिपल-एजेंट संबंध** से है, उदाहरण के लिए- चुनाव।
  - **क्षैतिज जवाबदेही (Horizontal accountability):** यह जवाबदेही संस्थानों के एक नेटवर्क की सहायता से तय की जाती है, जिसमें स्वतंत्र संस्थानों के बीच पारंपरिक तरीके से एक-दूसरे पर नियंत्रण स्थापित किया जाता है।
  - **सामाजिक जवाबदेही (Social accountability):** जब सार्वजनिक अधिकारियों के कार्यों की कई नागरिक समाज संगठनों, स्वतंत्र मीडिया आदि द्वारा समीक्षा की जाती है तो उसे सामाजिक जवाबदेही कहा जाता है।

जीवन में जवाबदेही से जुड़े उदाहरण

- **मोरारजी देसाई** (1977-79 के दौरान भारत के प्रधान मंत्री): वे नियमित रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस करते थे, पारदर्शिता को बढ़ावा देना।
- **डॉ. विक्रम साराभाई:** इसरो की पहली अंतरिक्ष उड़ान असफलता की पूरी जिम्मेदारी ली।

1.5. समानुभूति

- **अर्थ:** समानुभूति **दूसरों की मन: स्थितियों/ भावनाओं को समझने की क्षमता है**।
- **समानुभूति के विभिन्न प्रकार:**
  - **भावनात्मक समानुभूति (Affective empathy):** दूसरों की मन: स्थितियों/ भावनाओं को समझ लेने के बाद, हम जिन संवेदनाओं और भावनाओं की अनुभूति करते हैं, उसे ही भावनात्मक समानुभूति कहा जाता है।
  - **संज्ञानात्मक समानुभूति (Cognitive empathy):** दूसरों की मनः स्थिति को पहचानना और उसे ठीक से समझना संज्ञानात्मक समानुभूति कहलाता है।
- **जीवन में समानुभूति से जुड़े उदाहरण**
  - **सी.एफ. एंड्रयूज (जिन्हें दीनबंधु के नाम से भी जाना जाता है)** ने महात्मा गांधी के साथ मिलकर अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने गिरमिटिया मजदूरों की दुर्दशा को समझा और समाज के इन कमजोर एवं असहाय लोगों के प्रति समानुभूति दिखाई।
  - **आयुष्मान भारत योजना** को समानुभूतिपूर्ण नीति-निर्माण के एक उदाहरण के रूप में देखा जा सकता है। इसके तहत 12 करोड़ से अधिक गरीब और कमजोर परिवारों को कवरेज प्रदान किया जाता है।

1.6. सहिष्णुता

- **अर्थ:** सहिष्णुता का मतलब उन लोगों के प्रति निष्पक्ष, वस्तुनिष्ठ और उदार रवैया रखना है जिनकी राय, व्यवहार, जाति, धर्म, राष्ट्रीयता आदि खुद से अलग हैं।
- **महत्त्व:** बहुलवादी समाज में सद्भाव और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा देना।

जीवन में सहिष्णुता से जुड़े उदाहरण

- **नेल्सन मंडेला** (दक्षिण अफ्रीका के प्रथम राष्ट्रपति) ने रंगभेद के बाद **सहिष्णुता और सुलह की बेहतरीन मिसाल पेश की थी।**
- **भारत के सुप्रीम कोर्ट** ने ट्रांसजेंडर लोगों को 'थर्ड-जेंडर' की मान्यता प्रदान करना और समलैंगिक संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करना आदि शामिल हैं।

1.7. निःस्वार्थता

- **अर्थ:** निःस्वार्थता **एक ऐसी अभिवृत्ति** है जो स्वयं और दूसरों की **आवश्यकताओं के बीच संतुलन** स्थापित करती है।
- **शासन व्यवस्था (गवर्नेंस) में निःस्वार्थता का महत्त्व:** सार्वजनिक भूमिकाओं का निर्वहन करने वाले व्यक्ति **पूरी तरह से लोक हित में कार्य करते** हैं। इसका मतलब है कि ऐसे **व्यक्तियों द्वारा उनकी खुद की निजी आवश्यकताओं की बजाय जनता की आवश्यकताओं पर अधिक प्राथमिकता** से ध्यान दिया जाता है।

जीवन में निःस्वार्थता से जुड़े उदाहरण

- **सत्येंद्र दुबे** ने स्वर्णिम चतुर्भुज राजमार्ग निर्माण परियोजना में गंभीर भ्रष्टाचार को उजागर किया, जिसके चलते विरोधियों ने उनकी हत्या कर दी।
- **तुकाराम ओम्बले** ने 26/11 मुंबई हमलों के दौरान अनुकरणीय साहस एवं स्वयं शहीद हो गए।

1.8. न्याय

- **अर्थ:** न्याय को अक्सर **"निष्पक्षता (Fairness)" या "समान व्यवहार (Equal treatment)"** के रूप में परिभाषित किया जाता है।
- **न्याय के विभिन्न प्रकार:**
  - **सामाजिक न्याय (Social justice):** जाति, धर्म या लिंग की परवाह किए बिना जब प्रत्येक व्यक्ति समान अवसरों का हकदार हो जाता है तो उसे सामाजिक न्याय कहते हैं।
  - **वितरणात्मक न्याय (Distributive justice):** इसका तात्पर्य **समाज में संपत्ति के न्यायसंगत वितरण** से है।
  - **प्रतिशोधात्मक न्याय (Retributive justice):** गलत काम करने वालों को **वस्तुनिष्ठ और आनुपातिक रूप से दंडित करना** ही प्रतिशोधात्मक न्याय है।

जीवन में न्याय से जुड़े उदाहरण

- **सागरमल गोपा** (प्रजा मंडल के नेतृत्वकर्ता) ने **जैसलमेर के शासक के अत्याचारों के खिलाफ** न्याय दिलाने के लिए खड़े हुए।
- **पी. नरहरि** (IAS अधिकारी, 2001 बैच): ग्वालियर जिले में दिव्यांग व्यक्तियों को सार्वजनिक स्थानों तक सुगम्य पहुंच सुनिश्चित करने में मदद करना है।

1.9. वस्तुनिष्ठता

- **अर्थ:** इसका अर्थ निष्पक्ष, न्यायपूर्ण और योग्यता के आधार पर बिना किसी भेदभाव या पूर्वाग्रह के कार्य करना।
- **सिविल सेवाओं में वस्तुनिष्ठता का महत्त्व:** यह लोक सेवकों को कानून, तर्क, योग्यता और स्वीकृत मानकों, प्रथाओं और मानदंडों को बनाए रखने में सहायता करता है।

जीवन में वस्तुनिष्ठता से जुड़े उदाहरण

- **पोषण अभियान: पोषण ट्रैकर** डैशबोर्ड पर आधारित पोषण अभियान के कार्यान्वयन के लिए साक्ष्य-आधारित निर्णय लेना।
- केंद्र सरकार के अधिकारियों के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए **डिजिटल पोर्टल (प्रोबिटी, स्पैरो और सॉल्व)**।

1.10. नेतृत्व (लीडरशिप)

- **अर्थ:** एक व्यक्ति, जो अपने सहयोगियों का किन्हीं विशेष साध्य या लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सफलतापूर्वक मार्गदर्शन करता है, नेतृत्वकर्ता (लीडर) कहलाता है। **लीडरशिप की भावना** किसी अधिकार या शक्ति के बजाय **सामाजिक प्रभाव से उत्पन्न** होती है और इसमें **इच्छित परिणाम के साथ-साथ एक लक्ष्य** भी शामिल होता है।
- **महत्त्व:** लीडरशिप सुशासन का एक महत्वपूर्ण घटक है। वह **लोगों की भागीदारी, पारदर्शिता एवं जवाबदेही को बनाए रखता** है

जीवन में नेतृत्व से जुड़े उदाहरण

- **डॉ. वर्गीस कुरियन** को भारत में **श्वेत क्रांति का जनक** माना जाता है। उन्होंने एक **सफल सहकारी संगठन "अमूल" की स्थापना** की।
- **ई. श्रीधरन** को **"भारत के मेट्रो मैन"** के नाम से भी जाना जाता है। उन्हें प्रभावी परियोजना प्रबंधक और इंजीनियरिंग नेतृत्व का प्रतीक बना दिया है।

1.11. लोक सेवा के प्रति समर्पण

- **अर्थ:** किस महत्वपूर्ण लक्ष्य को पाने के लिए अपना **समय और पूरी ताकत झोंक देना ही समर्पण** कहलाता है। लोक सेवा के प्रति समर्पण का अर्थ है **"लोक हित को व्यक्तिगत हित से पहले प्राथमिकता देना।"**
- **महत्त्व:** लोक सेवक सरकार और नागरिकों के लिए काम करते हैं, इसलिए उन्हें लोगों की आकांक्षाओं को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए **सेवा की उच्च भावना** (समाज या देश के लिए योगदान की भावना) **और त्याग की आवश्यकता** होती है।

जीवन में लोक सेवा के प्रति समर्पण से जुड़े उदाहरण

- **डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम:** उन्होंने **भारत के स्वदेशी मिसाइल कार्यक्रम की शुरुआत और परमाणु कार्यक्रम में योगदान** दिया है।
- **डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन:** हरित क्रांति और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम जैसी महत्वपूर्ण सिफारिशें देना आदि।

1.12. निष्पक्षता और गैर-पक्षपात

- **अर्थ: किसी व्यक्ति या समूह को दूसरों की तुलना में वरीयता न देना तथा** एक सिविल सेवक द्वारा **'गैर-राजनीतिक व्यवहार'** को दर्शाता है।
- **महत्त्व:** एक संस्था के रूप में सिविल सेवाओं के गैर-राजनीतिक चरित्र में जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए सिविल सेवकों को गैर-पक्षपातपूर्ण होना आवश्यक है।

जीवन में गैर-पक्षपात से जुड़े उदाहरण

- **टी. एन. शेषन: उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त** के रूप में चुनाव संबंधी कई सुधारों को लागू किया और किसी भी राजनीतिक दबाव के आगे झुके बिना गैर-पक्षपातपूर्ण तरीके से चुनाव सुनिश्चित किए।
- **नंदन नीलेकणी** ने आधार के तकनीकी और प्रशासनिक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया। यह भारत में शासन के प्रति नीलेकणी के गैर-पक्षपाती दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

2. अवधारणाएं (CONCEPTS)

2.1. अभिवृत्ति

- **अर्थ:** यह किसी निश्चित विचार, वस्तु, व्यक्ति या स्थिति के प्रति सकारात्मक या नकारात्मक प्रतिक्रिया करने की प्रवृत्ति या पूर्वधारणा होती है।
- **अभिवृत्ति को निर्धारित करने वाले कारक**
  - **क्लासिकल कंडीशनिंग:** बार-बार अनुभवहीन प्रोत्साहन के चलते एक तटस्थ प्रोत्साहन भी वही अनुभवहीन प्रतिक्रिया पैदा करने लगता है।
  - **इंस्ट्रूमेंटल कंडीशनिंग:** व्यक्ति उन व्यवहारों को सीखते हैं जिसे **पुरस्कृत** किया जाता है तथा इसके विपरीत जिन व्यवहारों को पुरस्कृत नहीं किया जाता है।
  - **कॉग्निटिव अप्रेजल्स:** अभिवृत्ति का विकास करने के लिए जानकारी और अनुभवों का मूल्यांकन करना आवश्यक होता है।
  - **ऑब्ज़र्वेशनल लर्निंग:** सहकर्मियों के व्यवहार और उनके परिणामों के जरिए अभिवृत्ति का विकास करना।
  - **पर्सुएशंस: संचार** के जरिए अभिवृत्ति को **बदलने के लिए** जानबूझकर किए गए प्रयास।

अभिवृत्ति की कार्य-प्रणाली:

- **ज्ञान, उपयोगितावादी, अहम् की रक्षा, मूल्यों की अभिव्यक्ति।**

2.2. सामाजिक प्रभाव और अनुनय

- **अर्थ:** सामाजिक प्रभाव वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति अन्य लोगों के साथ सामाजिक संपर्क के परिणामस्वरूप अपनी राय या व्यवहार को बदलते हैं अथवा अपनी मान्यताओं को संशोधित करते हैं।
- **प्रकार: अनुपालन (Compliance), पहचान (Identification), आत्मसात्करण (Internalization)।**
- **अनुनय को प्रभावित करने वाले कारक:** स्रोत की विश्वसनीयता, संदेश सामग्री, लक्षित लोगों की विशेषताएं, पारस्परिकता, सामाजिक प्रमाण, समय और संदर्भ।

2.3. भावनात्मक बुद्धिमत्ता

- **अर्थ:** भावनात्मक बुद्धिमत्ता (EI) किसी व्यक्ति की स्वयं और दूसरों की भावनाओं को पहचानने, समझने और प्रबंधित करने की क्षमता है।
- **गवर्नेंस में भावनात्मक बुद्धिमत्ता का महत्त्व: नेतृत्व में प्रभावशीलता, निर्णय लेना, संचार, विवादों का समाधान, सार्वजनिक सहभागिता।**

उदाहरण के लिए-

- **जैसिंडा अर्डर्न** (न्यूजीलैंड की पूर्व प्रधान मंत्री) ने संकट के दौरान देश को एकजुट करने में मदद करने के लिए क्राइस्टचर्च मस्जिद गोलीबारी (2019) के प्रति अपनी प्रतिक्रिया दी।
- **GST के क्रियान्वयन** के लिए केंद्र सरकार की ओर से विभिन्न राज्यों, व्यवसायों आदि की भावनाओं तथा चिंताओं को दूर करने के लिए उच्च भावनात्मक बुद्धिमत्ता की आवश्यकता थी।
- **टी.एन. शेषन** (पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त) ने चुनावों की अखंडता में सुधार किया।

2.4. सामाजिक बुद्धिमत्ता

- **अर्थ:** यह किसी व्यक्ति की पारस्परिक संबंधों को समझने और प्रबंधित करने की क्षमता को संदर्भित करती है।
- **सामाजिक बुद्धिमत्ता के पहलू**
  - **सामाजिक जागरूकता: आदिम समानुभूति, सामंजस्य, सटीक समानुभूति, सामाजिक अनुभूति**।
  - **सामाजिक सुविधा:** समन्वयता, आत्म-प्रस्तुति, प्रभाव, चिंता।

3. भारतीय नैतिक विचारक (INDIAN THINKERS)

व्यक्तित्व	नैतिक विचार/ विजन/ मूल्य	उद्धरण
कौटिल्य (चाणक्य) 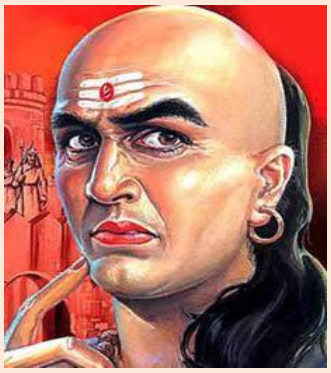	• **कर्तव्य और न्याय-परायणता:** लीडर या नेतृत्वकर्ता को काम (वासना), क्रोध, लोभ, मोह, घमंड, और हर्ष (अति प्रसन्नता) को त्याग कर आत्म-संयम दिखाना चाहिए। • **खुशहाली:** नेतृत्वकर्ता की खुशहाली उसकी प्रजा के कल्याण में निहित है। • **व्यक्तिगत उत्कृष्टता:** मनुष्य जन्म से नहीं, कर्मों से महान होता है।	• मोह के समान कोई शत्रु नहीं और क्रोध के समान कोई अग्नि नहीं। • संतुलित मन के समान कोई तपस्या नहीं है, संतोष के समान कोई सुख नहीं है, लोभ के समान कोई रोग नहीं है, तथा दया के समान कोई सद्गुण नहीं है।
तिरुवल्लुवर 	• **आचरण:** उचित आचरण ही सद्गुणों का मूल स्रोत है जबकि अनुचित आचरण सदैव दुःख का कारण बनता है। ○ वह आचरण सद्गुण है जो इन चार चीजों से मुक्त है: **द्वेष, काम, क्रोध** और **कटु वचन।** • **शुद्ध आत्मा:** बाह्य शरीर की शुद्धि जल से होती है, जबकि आंतरिक शुद्धि सत्यता से होती है।	• किसी बुराई करने वाले को फटकारने के लिए, बदले में अच्छा काम करके उसे शर्मिंदा करें। • करुणा ही सबसे अधिक दयालु सद्गुण है और यह पूरे संसार को चलायमान रखती है।
गुरु नानक 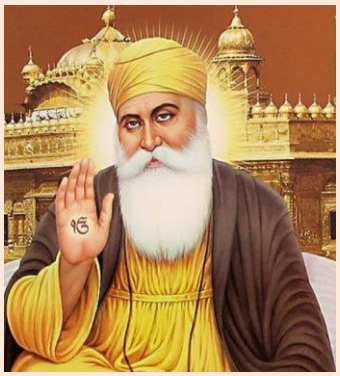	• **वंड छको:** ईश्वर ने आपको जो कुछ दिया है उसे दूसरों के साथ बांटना और जरूरतमंदों की मदद करना। ○ उन्होंने अनुयायियों को अपनी कमाई का कम-से-कम दसवां हिस्सा दूसरों के कल्याण हेतु दान करने के लिए प्रोत्साहित किया। • **बिना किसी डर के सत्य बोलो:** झूठ को दबाकर विजय पाना अस्थायी है, जबकि सत्य के साथ अडिग रहना स्थायी है।	• सबसे बड़ी सुख-सुविधा और स्थायी शांति तब प्राप्त होती है जब व्यक्ति अपने भीतर से स्वार्थ को मिटा देता है। • यदि लोग ईश्वर द्वारा दी गई संपत्ति का उपयोग केवल अपने लिए या उसे संजोकर रखने के लिए करते हैं, तो वह शव के समान है। लेकिन यदि वे इसे दूसरों के साथ बांटने का निर्णय लेते हैं, तो वह पवित्र भोजन बन जाता है।

स्वामी विवेकानंद 	• **मानवतावाद:** जनता ही हमारी भगवान होनी चाहिए। मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है। • **निःस्वार्थता:** उन्होंने प्रचार किया कि स्वार्थ अनैतिक है और जो स्वार्थहीन है वह नैतिक है। • **एकता:** इसका तात्पर्य है कि आप मेरा हिस्सा हैं और मैं आपका हिस्सा हूँ; मान्यता यह है कि आपको दुःख पहुँचाने में मैं स्वयं को दुःख पहुँचाता हूँ और आपकी सहायता करने में मैं स्वयं की सहायता करता हूँ।	• आप जो भी सोचते हैं, आप वही होंगे। अगर आप खुद को कमज़ोर समझते हैं, तो आप कमज़ोर होंगे; अगर आप खुद को मज़बूत समझते हैं, तो आप मज़बूत होंगे। • जिस दिन आपके सामने कोई समस्या न आए, यह समझ लें कि आप गलत रास्ते पर चल रहे हैं।
महात्मा गांधी 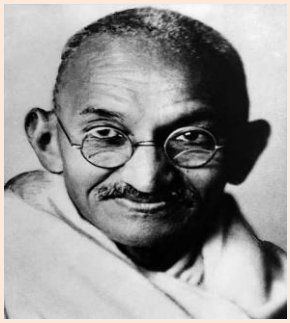	• **साधन और साध्य:** उन्होंने स्पष्ट रूप से इस **सिद्धांत को अस्वीकार कर दिया कि साध्य साधनों को उचित ठहराता है।** उन्होंने जोर देकर कहा कि **नैतिक साधन** अपने आप में लगभग एक **साध्य** है क्योंकि सद्गुण ही उसका अपना पुरस्कार है। • **सर्वोदय:** यह सिद्धांत **सभी की प्रगति** पर आधारित है। ○ सभी व्यक्तियों को व्यक्तिगत श्रम करना चाहिए तथा अपरिग्रह के आदर्श का पालन करना चाहिए।	• मनुष्य अपने विचारों का उत्पाद है। वह जो सोचता है, वही बन जाता है। • कमज़ोर कभी माफ़ नहीं कर सकता। माफ़ी ताकतवर का गुण है। • स्वयं को खोजने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप स्वयं को दूसरों की सेवा में खो दें।
जवाहर लाल नेहरू 	• **कल्याणकारी राज्य:** एक कल्याणकारी राज्य आदर्श रूप से अपने नागरिकों को बेरोजगारी आदि से जुड़े बाजार जोखिमों से बचाकर बुनियादी आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है। • **प्रशासन:** प्रशासन ऐसा होना चाहिए जो **जनोन्मुख** हो, आम आदमी के प्रति शिष्टाचार दिखाए, लोगों में सहभागिता की भावना पैदा करे तथा लोगों में सहयोग की प्रेरणा दे।	• किसी महान उद्देश्य के लिए निष्ठापूर्वक और कुशलतापूर्वक किया गया कार्य, भले ही उसे तत्काल मान्यता न मिले, अंततः फल देता है। • बुराई अनियंत्रित रूप से बढ़ती है, सहन की गई बुराई पूरी व्यवस्था को विषाक्त कर देती है।
डॉ. बी.आर. अम्बेडकर 	• **स्वाधीनता:** उनका मानना था कि स्वाधीनता और समानता, दोनों जरूरी हैं। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि असीमित स्वाधीनता से समानता नष्ट हो जाती है, और पूर्ण समानता भी स्वाधीनता के लिए कोई स्थान नहीं छोड़ती है। • **कार्रवाई:** सामंजस्यपूर्ण कार्रवाई विभिन्न तरीकों से की जा सकती हैं, लेकिन उनमें सदैव सद्भावना तथा दूसरों के हित की मंशा होनी चाहिए।	• मैं किसी समुदाय की प्रगति को उस समुदाय में महिलाओं द्वारा हासिल की गई प्रगति के स्तर से मापता हूँ। • एक महान व्यक्ति एक प्रतिष्ठित व्यक्ति से इस मायने में भिन्न होता है कि वह समाज का सेवक बनने के लिए तैयार रहता है। • मनुष्य नश्वर है। वैसे ही विचार भी नश्वर हैं। इसलिए किसी विचार को प्रचार-प्रसार की उतनी ही आवश्यकता होती है जितनी एक पौधे को पानी की। अन्यथा, दोनों का बेमतलब ही अंत हो जाएगा।

ए.पी.जे. अबुल कलाम		
	• **सामाजिक ग्रिड:** यह ज्ञान ग्रिड, स्वास्थ्य ग्रिड और ई-गवर्नेंस ग्रिड से मिलकर बना है जो PURA/ पूरा (ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी सुविधाओं के प्रावधान) ग्रिड को सहायता प्रदान करता है • **विनम्र बनें:** विनम्रता एक शक्तिशाली गुण है और रहेगी, क्योंकि जहां अहंकार विफल हो जाता है, वहां विनम्रता जीत जाती है।	• बुद्धि विनाश को रोकने का एक हथियार है; यह एक ऐसा आंतरिक किला है जिसे शत्रु नष्ट नहीं कर सकते। • दृढ़ संकल्प वह शक्ति है जो हमें हमारी सभी निराशाओं और बाधाओं से बाहर निकालती है। यह हमारी इच्छाशक्ति को मजबूत बनाने में मदद करता है जो सफलता का आधार है।

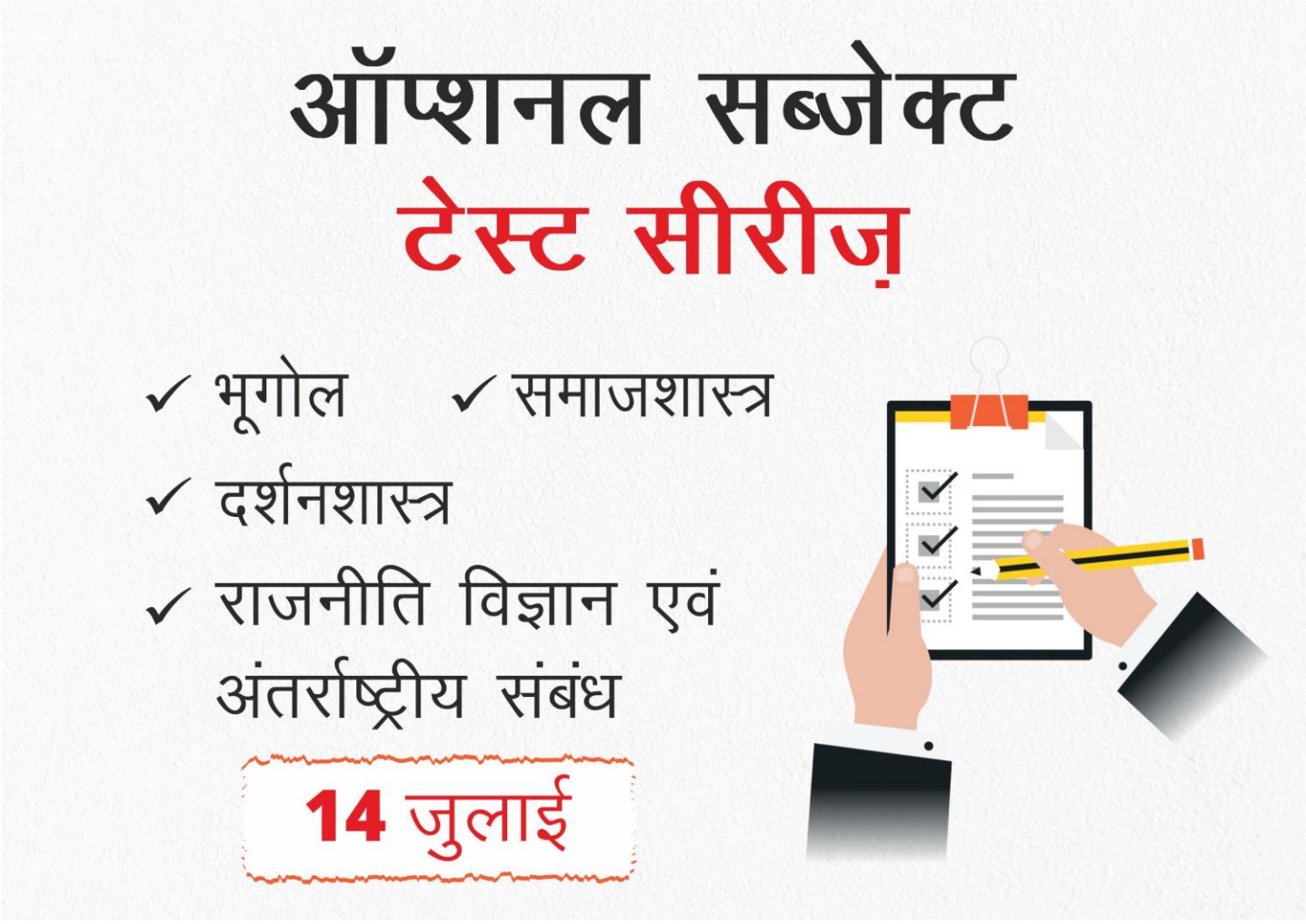

Copyright © by Vision IAS

All rights are reserved. No part of this document may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior permission of Vision IAS.

Heartiest Congratulations

to all Successful Candidates

Aditya Srivastava

79 in **TOP 100** Selections in **CSE 2023**

from various programs of **Vision IAS**

Animesh Pradhan

Ruhani

Srishti Dabas

Anmol Rathore

Nausheen

Aishwaryam Prajapati

हिंदी माध्यम में 35+ चयन CSE 2023 में

= हिंदी माध्यम टॉपर =

मोहन लाल

अर्पित कुमार

विपिन दुबे

मनीषा धार्वे

मयंक दुबे

देवेश पाराशर

UPSC TOPPERS/OPEN SESSION: QR स्कैन करें

मोहन लाल

TOPPERS' TALK

अर्पित कुमार

TOPPERS' TALK

विगत वर्षों में UPSC मेन्स में पूछे गए प्रश्न

UPSC मेन्स 2024 के लिए व्यापक रणनीति

HEAD OFFICE
Apsara Arcade, 1/8-B 1st Floor, Near Gate-6 Karol Bagh Metro Station

DELHI

MUKHERJEE NAGAR CENTER
Plot No. 857, Ground Floor, Mukherjee Nagar, Opposite Punjab & Sindh Bank, Mukherjee Nagar

GTB NAGAR CENTER
Classroom & Enquiry Office, above Gate No. 2, GTB Nagar Metro Building, Delhi - 110009

FOR DETAILED ENQUIRY
Please Call:
+91 8468022022,
+91 9019066066

enquiry@visionias.in /c/VisionIASdelhi /visionias.upsc /vision_ias VisionIAS_UPSC

अहमदाबाद बेंगलूरु भोपाल चंडीगढ दिल्ली गुवाहाटी हैदराबाद जयपुर जोधपुर लखनऊ प्रयागराज पुणे रांची